विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया) : (क) ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है। (नीचे देखिए)।

(ख) विचाराधीन आवेदकों की संख्या 2230 है;

(ग) 31 दिसम्बर, 1993 की स्थिति के अनुसार सौराष्ट्र क्षेत्र से प्राप्त नए पासपोर्ट आवेदनों की संख्या 80182 थी।

(घ) सौराष्ट्र क्षेत्र में एक अलग से पासपोर्ट कार्यालय खोलने का अभी प्रस्ताव नहीं है।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

	1991*	1992*	1993
प्राप्त आवेदनों की संख्या			
राजकोट	4940	5333	5072
जामनगर	5700	5551	4522
जूनागढ़/पोरबंदर	7374	6322	5781
पोरबन्दर			
सुरेन्द्र नगर	372	392	545
भावनगर	1967	1943	460
अमरेली	770	749	1452
कच्छ/भुज	7627	7162	6562
योग :	28750	27452	23980
जारी पासपोर्टों की संख्या			
	*लागू नहीं	*लागू नहीं	21750

*इस प्रकार जिले-वार सूचना नहीं रखी गई थी।

संयुक्त राष्ट्र संघ का पुनर्गठन किये जाने के गुट-निरपेक्ष आंदोलन के प्रस्ताव पर भारत का दृष्टिकोण

2076. **श्री के० एम० खान :** क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को गुट-निरपेक्ष देशों के विदेश-मंत्रियों द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ का पुनर्गठन किये जाने की मांग विषयक प्रस्ताव की जानकारी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या इस तरह के प्रस्ताव से विश्व के विकासशील देशों में शांति और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा;

(घ) क्या सरकार विश्व के विकासशील देशों में अग्रणी होने के नाते इस संबंध में कोई पहल करने का विचार रखती है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आर०एल० भाटिया) : (क) से (ङ) एक लम्बे समय से गुटनिरपेक्ष आन्दोलन यह मानता आया है कि संयुक्त राष्ट्र में सुधार होने चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों के प्रति गुटनिरपेक्ष देशों के बीच एक आमराय कायम करने में भारत ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह विकासशील देशों में शांति और उनकी समृद्धि को सुदृढ़ करेगा। भारत अन्य विकासशील देशों के साथ न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र में सुधारों पर विचार विमर्श में लगा हुआ है।